Syllabus and Course Scheme
Academic year 2014-15

B.Com. – A.B.S.T.
Exam. – 2015

UNIVERSITY OF KOTA
MBS Marg, Swami Vivekanand Nagar,
Kota - 324 005, Rajasthan, India
Website: uok.ac.in

University of Kota, Kota

B.Com. Examination 2015

B.Com. (Part-I) –ABST

Scheme

Papers	**Minimum Pass Marks: 72 Marks**		**Maximum Marks: 200 Marks**
Paper I-	**Financial Accounting**	**3 Hours**	**100 Marks**
Paper II	**Business Statistics**	**3 Hours**	**100 Marks**

B.Com. (Part-II) –ABST

Paper I-	**Income Tax Law And Accounts**	**3 Hours**	**100 Marks**
Paper II(a)	**Cost Accounting**	**3 Hours**	**100 Marks**
	Or		
Paper II(b)	**Corporate Accounting**	**3 Hours**	**100 Marks**
	Or		
Paper II(c)	**Computer Application in Business**	**3 Hours**	**100 Marks**

B.Com. (Part-III) –ABST

Paper I-	**Corporate and Management Accounting**	**3 Hours**	**100 Marks**
Paper II(a)	**Auditing**	**3 Hours**	**100 Marks**
	Or		
Paper II(b)	**Taxation**	**3 Hours**	**100 Marks**
	Or		
Paper II(c)	**Quantitative Techniques**	**3 Hours**	**100 Marks**

B.Com. (Part-I) –ABST Exam. - 2015

Accountancy & Business Statistics

Scheme

Papers		**Minimum Pass Marks: 72 Marks**	**Maximum Marks: 200 Marks**
Paper I-	**Financial Accounting**	3 Hours	100 Marks
Paper II	**Business Statistics**	3 Hours	100 Marks

Paper-I – Financial Accounting

Duration: 3 hrs. Max.Marks 100

Note: The question paper will contain three sections as under –

Section-A: One compulsory question with 10 parts, having 2 parts from each unit, short answer in 20 words for each part. Total marks: 10

Section-B: 10 questions, 2 questions from each unit, 5 questions to be attempted, taking one from each unit, answer approximately in 250 words. Total marks: 50

Section-C : 04 questions (question may have sub division) covering all units but not more than one question from each unit, descriptive type, answer in about 500 words, 2 questions to be attempted. Total marks: 40

Unit-I

Accounting Standards in India (A.S. 1 to 10)
International Accounting Standards (Only names)
Issue of Shares and Debentures. Forfeiture and re-issue of shares. Issue of Right Shares. Redemption of preference shares Buy-Back of Shares. Demate of Shares, Employees Share Option Scheme and Guidelines of S.E.B.I., Redemption of Debentures.

Unit-II

Purchase of Business. Profit or Loss Prior and Post to incorporation. Underwriting of Shares and Debentures.
Preparation of Final Accounts of Company (including managerial Remuneration). Disposal of profits. Capitalization of Profits.

Unit-III

Preparation of accounts from incomplete record. Accounting for leases.
Royalty Accounts. Insurance claim.

Unit-IV

Departmental Accounts. Branch Accounts (including Foreign Branch).

Unit-V

Sectional and Self Balancing ledgers (including rectification of errors).
Hire purchase and Instalment Sale Transactions.

Suggested Readings:

- Anthony R.N. and Reece, J.S., Accounting
- Gupta, R.L. and Radhaswamy M : - Financial Accounting ; S. Chand and Co . New Delhi.
- Shukla, M.C. Grewal T.S. and Gupta: - Advanced Accounts S Chand & Co. New Delhi.
- Jain Khandelwal Pareek: - Financial Accounting.
- Punjabi, Goyal, Jain, Tiwari, & Gupta :- Financial Accounting (Ramesh Book Depot Jaipur)
- Dr. S.N. Maheshwari; Financial Accounting (Vikas Public House Pvt. Ltd., New Delhi).

Paper - II Business Statistics

Duration : 3 hrs ***Max. Marks-100***

Note- The question paper will contain three sections as under –

Section-A : One compulsory question with 10 parts, having 2 parts from each unit, short answer in 20 words for each part. Total marks : 10

Section-B : 10 questions, 2 questions from each unit, 5 questions to be attempted, taking one from each unit, answer approximately in 250 words. Total marks : 50

Section-C : 04 questions (question may have sub division) covering all units but not more than one question from each unit, descriptive type, answer in about 500 words, 2 questions to be attempted. Total marks : 40

Unit - I

Meaning and Definition of Statistics, Functions, Importance, Limitations and Distrust of Statistics.

Census and Sampling, Methods of Sampling, Classification and Tabulation of Data, Methods of collections of Primary and Secondary data. Schedule and Questionnaire.

Concept of Measurement Central Tendency-Meaning and Definition, Determination of Statistical Averages.

Unit - II

Measures of Dispersion & Skewness : Meaning & Definition of Dispersion, Objectives & Importance of Measuring Dispersion, Absolute & Relative measures of Dispersion, Essential characteristics of a good measure of Dispersion, selective of an appropriate measure of Dispersion, Skewness, difference between Dispersion and Skewness.

Unit - III

Correlation and Regression : Meaning & Definition of Correlation, Types of Correlation, Methods of Determining Correlation, Measurement of Correlation in Time Series, Lag and Lead in Correlation. Regression Analysis - Concept, Meaning, Utility, Types, Difference between Correlation & Regression, Linear Correlation & Regression Analysis, Standard Error of Estimates, methods of computing regression lines, conceptual frame work and their application in business.

Unit - IV

Index Number-Concept, Utility, Methods, Simple. Weighted Average of Relatives and Aggregative Index Numbers. Weighted Index number (Including consumer price index numbers). Fishers Ideal Index Numbers. Base shifting, Deflating, splicing.

Analysis of Time Series - Theorems of Time Series, Decomposition of time series, Analysis of Trend, Application of Time Series in Business.

Unit - V

Intrapolation and Extrapolation (Newtons Advancing difference method, Binomial method, Langrage method.

Theory of Probability : Probability as a concept, three approaches to defining Probability; Addition and multiplication Laws of Probability; Conditional Probability.

Suggested Readings :

1 Hooda, R.P. : Statistics for Business and Economics, Meemillam, New Delhi

2 Lewen and Rabin : Statistics for management ; Prentice Hall of India, New Delhi

3 नागर के एन : साख्यिकी (मीनाक्षी प्रकाद्दान मेरठ)

4 यादव आर के मित्तल एस एन तथा जैन एम एल: सांख्यिकीय विधियॉ

5 गोयल के सी गुप्ता बी एल गोयल आर के रंगा: साख्यिकी विधियॉ

6 ओसवाल, अग्रवाल, पंजाबी, तिवारी, गुप्ता :व्यावसायिक सांख्यकी, (रमेश बुक डिपो), जयपुर

7 J. S. Chandan, Business Statistics (Vikas Publishing House Pvt. Ltd. New Delhi)

बी.कॉम. पार्ट- प्रथम-लेखा एवं व्यावसायिक सांख्यिकी -2015

परीक्षा योजना

दो प्रश्न पत्र	**न्यूनतम उत्तीर्णांक 72**	**अधिकतम अंक**	**200**
प्रश्नपत्र प्रथम -वित्तीय लेखांकन	समय 3 घण्टे	अंक	100
प्रश्नपत्र द्वितीय -व्यावसायिक सांख्यकी	समय 3 घण्टे	अंक	100

प्रश्नप्रथम - वित्तीय लेखांकन

समय : 3 घण्टे अधिकतम अंक : 100

नोट: इस प्रश्न पत्र में 03 खण्ड निम्न प्रकार होंगें :

खण्ड अ : इस खण्ड में एक अनिवार्य प्रश्न जिसमें प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 लघु प्रश्न होंगे । प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो । कुल अंक:10

खण्ड ब : इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे । प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 05 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो । कुल अंक : 50

खण्ड स : इस खण्ड में 04 प्रश्न वर्णनात्मक होंगे (प्रश्न में भाग भी हो सकते है) जो सभी इकाईयों में से दिए जावेंगे, किन्तु एक इकाई से एक से अधिक प्रश्न नहीं होगा । दो प्रश्नों के उत्तर दिये जाने हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो । कुल अंक:40

ईकाई - प्रथम

भारत में लेखा मानक (1 से 10 तक), अन्तर्राष्ट्रीय लेखा मानक (केवल नाम), अंशों एवं ऋणपत्रों का निर्गमन, अधिकार अंशों का निर्गमन, अंशों का हरण एवं पुर्ननिर्गमन, अधिमान अंशों का शोधन, अंशों की पुर्नखरीद, अंशों का डीमेट, कर्मचारी अंश विकल्प योजना एवं सेबी (S.E.B.I.) के दिशा निर्देश ।ऋणपत्रों का शोधन ।

ईकाई - द्वितीय

व्यापार का क्रय, समामेलन से पूर्व एवं बाद के लाभ-हानि । अंशों एवं ऋणपत्रों का अभिगोपन । कम्पनी के अन्तिम खाते तैयार करना (प्रबन्धकीय पारिश्रमिक सहित) । लाभो का विभाजन, लाभो का पूंजीकरण ।

ईकाई - तृतीय

अधिकार शुल्क लेखे, बीमा सम्बन्धी दावे। पट्टे के लिये लेखांकन एवं अपूर्ण लेखों से खाते तैयार करना।

ईकाई – चतुर्थ

विभागीय लेखे, शाखा खाते (विदेशी शाखाओं सहित)

ईकाई – पंचम

वर्गीय एवं स्वकीय संतुलन खाता बहियाँ (अशुद्धियों के सुधार सहित) किराया क्रय एवं किश्त विक्रय व्यवहार ।

प्रश्नपत्र द्वितीय : व्यावसायिक सांख्यिकी

समयावधि : 3 घंटे ***पूर्णांक – 100***

नोट: इस प्रश्न पत्र में 03 खण्ड निम्न प्रकार होंगें :

खण्ड अ : इस खण्ड में एक अनिवार्य प्रश्न जिसमें प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 लघु प्रश्न होंगे । प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो । कुल अंक : 10

खण्ड ब : इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे । प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 05 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो । कुल अंक : 50

खण्ड स : इस खण्ड में 04 प्रश्न वर्णनात्मक होंगे (प्रश्न में भाग भी हो सकते है) जो सभी इकाईयों में से दिए जावेंगे, किन्तु एक इकाई से एक से अधिक प्रश्न नहीं होगा।दो प्रश्नों के उत्तर दिये जाने हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो। कुल अंक : 40

इकाई –1

सांख्यिकी का अर्थ एवं परिभाषा, कार्य, महत्व, सीमायें एवं सांख्यिकी में अविश्वास।

संगणना एवं प्रतिचयन, प्रतिचयन विधियां, समंको का वर्गीकरण एवं सारणीयन, प्राथमिक एवं द्वितीयक समंको के संग्रहण की विधियां, अनुसूची एवं प्रश्नावली।

केन्द्रीय प्रवति की माप की अवधारणा, अर्थ एवं परिभाषा, सांख्यिकीय माध्यों का निर्धारण

इकाई –2

अपकिरण एवं विषमता मापन: अपकिरण का अर्थ एवं परिभाषा, अपकिरण मापन का उद्वेश्य व महत्व, अपकिरण के निरपेक्ष एवं सापेक्ष माप, एक अच्छे अपकिरण माप की मुख्य विशेषतायें, उचित अपकिरण एवं विषमता माप का चुनाव, अपकिरण एवं विषमता में अन्तर।

इकाई –3

सहसम्बन्ध एवं प्रतीपगमन : सहसम्बन्ध का अर्थ एवं परिभाषा, सहसम्बन्ध के प्रकार, सहसम्बन्ध निर्धारण विधियां, कालश्रेणी में सहसम्बन्ध मापन, सह सम्बन्ध में विलम्बना व अग्रगमन।प्रतीपगमन विश्लेषण, अवधारणा, अर्थ, उपयोगिता एवं प्रकार, सहसम्बन्ध व प्रतिगमन में अन्तर, रेखीय सहसम्बन्ध व प्रतीपगमन विश्लेषण, अनुमान की प्रमाप त्रृटि, प्रतीपगमन रेखा गणनविधियां, अवधारणात्मक ढ़ांचा एवं व्यवसाय में प्रयोग।

इकाई –4

सूचकांक – अवधारणा, उपयोगिता, विधियां– मूल्यानुपात व समूही सूचकांक का सरल व भारित माध्य। भारित सूचकांक (उपभोक्ता मूल्य सूचकांक को सम्मिलित करते हुये), फिशर का आदर्श सूचकांक, आधार परिवर्तन, शिरोबंधन, अपस्फीति, काल श्रेणी का विश्लेषण, प्रमेय, काल श्रेणी विसंरचना, प्रवृति विश्लेषण, व्यवसाय में काल श्रेणी का उपयोग।

इकाई –5

आन्तरगणन एवं ब्राहगणन : न्यूट्न प्रगामी अन्तर विधि, बायनामियल विधि, लेंगरेज विधि ।

प्रायिकता सिद्धान्त – प्रायिकता अवधारणा, प्रायिकता की तीनों विभिन्न अवधारणायें, प्रायिकता के गुणात्मक एवं योगात्मक प्रमेय, प्रतिबन्धात्मक प्रायिकता।